पाठ 23

पोचमपल्ली

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 189)

चर्चा करो

प्रश्न 1. आज वाणी और प्रसाद जैसे कई बच्चों ने अपने परिवारों से यह सुंदर कला सीख ली है। क्या बड़े होकर ये भी अपने बच्चों को इस कला के हुनर सिखा पाएँगे?
उत्तर: रेशम मँहगे होते जा रहे हैं तथा बुनकरों को उनकी मेहनत का उचित पारिश्रमिक नहीं मिल पा रहा है। यहाँ तक कि बिचौलियों के कारण उनकी रोजी-रोटी भी ठीक से नहीं चल पाती है। ऐसी स्थिति में बुनकर दूसरे रोजगार की तलाश में एक जगह से दूसरी जगहों पर जा रहे हैं। यदि स्थिति ठीक रही तभी बड़े होकर वाणी और प्रसाद जैसे लोग अपने बच्चों को इस कला के हुनर सीखा पायेंगे।

इनके उत्तर: कॉपी में लिखो

प्रश्न 1. क्या तुमने कभी किसी को करघे पर कुछ बुनते देखा है?
उत्तर: हाँ, मैंने कई लोगों को करघे पर कपड़ा बुनते हुए देखा है।

प्रश्न 2. क्या और कहाँ?
उत्तर: टी.वी. के डिस्कवरी चैनल पर आ रहे एक कार्यक्रम में।

प्रश्न 3. साड़ी के धागों को रंगा जाता है। क्या तुम किसी और चीज के बारे में जानते हो, जिसको रंगा जाता है?
उत्तर: हाँ, ऊन को भी रंगा जाता है। घर की दीवारों को भी सुंदर दिखने के लिए रंगा जाता है।

प्रश्न 4. वाणी और प्रसाद के गाँव में जाओ तो लगता है कि जैसे पूरा गाँव साड़ियाँ ही बना रहा है। क्या तुम कोई ऐसा काम जानते हो, जो एक ही जगह के बहुत सारे लोग करते हैं?
उत्तर: हाँ, मेरे गाँव जहाँ मेरे दादाजी रहते हैं वहाँ एक बस्ती में बहुत सारे लोग मिट्टी के बरतन बनाते हैं।

प्रश्न 5. क्या वे कोई चीज तैयार करते हैं?
उत्तर: हाँ, वे लोग मिट्टी के बरतन तैयार करते हैं।

प्रश्न 6. उस को तैयार करने का तरीका पता करो।
उत्तर: वे लोग मिट्टी को बारीक पीसकर उसे अच्छी तरह गूंधते हैं। गूंधने के बाद उसे चाक पर रखकर इच्छानुसार बरतन बनाते हैं। गीले बने हुए बरतन को धूप में सुखाने के बाद उसे आग में पकाया जाता है उसके बाद उसे सुंदर रंगों से रंगा जाता है।

प्रश्न 7. उस चीज को बनाने के लिए क्या आदमी और औरतें अलग-अलग तरह के काम करते हैं?
उत्तर: हाँ, आदमी बरतन बनाते हैं तथा औरतें उसे धूप में सुखाने का काम करती हैं।

प्रश्न 8. क्या उस चीज को बनाने में बच्चे भी मदद करते हैं?
उत्तर: हाँ, कुछ बच्चे भी बर्तन को बनाने में अपने माता-पिता की मदद करते हैं।

पता करो और लिखो

प्रश्न 1. किसी लुहार, बढ़ई या कुम्हार से बातचीत करो और उनके काम के बारे में पता लगाओ-
उत्तर: मैंने एक कुम्हार से बातचीत की। उससे पूछा गया प्रश्न एवं उत्तर: निम्नांकित हैं

प्रश्न 2. उन्होंने अपना काम कहाँ से सीखा?
उत्तर: उन्होंने यह काम अपने बुजुर्गों से सीखा है।

प्रश्न 3. उनको काम में क्या-क्या चीजें सीखनी पड़ती हैं?
उत्तर: उनको काम में मिट्टी को अच्छी तरह से पीसना, गूधना, चाक चलाना, उस पर मिट्टी के बरतन को विभिन्न तरह के आकार देना, बरतन को पकाना सीखना पड़ता है।

प्रश्न 4. क्या उन्होंने अपना काम अपने परिवार में किसी और को भी सिखाया है?
उत्तर: हाँ, उन्होंने यह काम अपने बच्चों को भी सिखाया है।

प्रश्न 5. नीचे तालिका में कुछ कामों की सूची दी गई है। क्या तुम ऐसे लोगों को जानते हो, जो ये काम जानते हैं? उन लोगों के नाम लिखो। पता करो कि उन्होंने ये काम किस से सीखे।

काम	उनके नाम, जो यह काम करते हैं	उन्होंने यह काम कहाँ से सीखा
कपड़े की बुनाई करना	प्रसाद और वाणी के अम्मा-अप्पा	अपने परिवार से
खाना पकाना		
साइकिल रिपेयर करना		
हवाई जहाज उड़ाना		
सिलाई-कढ़ाई करना		
गाना गाना		
जूते बनाना		
पतंग उड़ाना		
खेती करना		
बाल काटना		

उत्तर:

काम	उनके नाम, जो यह काम करते हैं	उन्होंने यह काम कहाँ से सीखा
कपड़े की बुनाई करना	प्रसाद और वाणी के अम्मा-अप्पा	अपने परिवार से
खाना पकाना	विवेक सिंह	होटल प्रबंधन संस्थान
साइकिल रिपेयर करना	राज कुमार दास	अपने परिवार के बड़ों से
हवाई जहाज उड़ाना	राज हंस कुमार	फ्लाईंग क्लब में
सिलाई-कढ़ाई करना	सुकुमारी देवी	अपने बड़ों से
गाना गाना	लता मंगेशकर	अपने पिता से
जूते बनाना	सुरेश कुमार	अपने बड़ों से
पतंग उड़ाना	रवि	अपने बड़े भाई से
खेती करना	अशोक	अपने परिवार से
बाल काटना	नरेश	अपने बड़ों से